समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

तेलंगाना कांग्रेस ने हिंदी दिवस पर साहित्यिक और सांस्कृतिक सम्मान समारोह आयोजित किया

Publisher
Published on 16 Sep 2025

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (TPCC) ने रविवार को हैदराबाद के बशीरबाग प्रेस क्लब में हिंदी दिवस के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देना और उन व्यक्तियों को सम्मानित करना था जिन्होंने साहित्य, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

समारोह में TPCC के अध्यक्ष और MLC महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, पूर्व सांसद श्री V. हनुमंथा राव, निगम अध्यक्ष श्री अन्वेश रेड्डी, श्री ताहेर, श्री राजेश कुमार अग्रवाल, CPI नेता श्री चड़ा वेंकट रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

महेश कुमार गौड़ ने अपने संबोधन में संविधान सभा द्वारा 1949 में हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकार करने की घटना को याद किया। उन्होंने कहा, “हिंदी ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ने का कार्य करती है।”

इस कार्यक्रम में साहित्य, कला, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में लेखक, कवि, शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल थे। इस पहल के माध्यम से कांग्रेस ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ाया।

महेश कुमार गौड़ ने कहा, “भारत विविध भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। वैश्वीकरण के कारण अंग्रेजी का प्रभाव बढ़ा है, लेकिन हिंदी ने कभी अपनी जगह नहीं खोई। तेलंगाना में तेलुगु के साथ-साथ हिंदी का प्रचार-प्रसार राष्ट्रीय एकता को और मजबूत करेगा।”

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री A. Revanth Reddy की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की सराहना की और कहा कि ये

कदम राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

तेलंगाना कांग्रेस का यह पहल हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और भारतीय संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि हिंदी न केवल एक भाषा है, बल्कि यह भारतीयता की पहचान और एकता का प्रतीक है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.